Media Coverage: DG, ICFRE, Shri A.S. Rawat visit to TFRI, Jabalpur

The Hitavada

Jabalpur City Line | 2023-07-15 | Page-1 ehitavada.com

Director General Rawat releases documentary film, book at TFRI



Director General Rawat releases the documentary film and a book during his visit at TFRI.

■ Staff Reporter

A S Rawat, IFS, Director General, Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun on Saturday, visited Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur to monitor the research, extension activities and involvement of stakeholders in the research programme of the institute. During his visit Director General Rawat also released documentary film on 'Management of Flyash through Forestry Interventions' and a book on 'Floral diversity of Kanha Tiger Reserve (Sarhi (Contd on page 3)

अपने दौरे में उन्होंने संस्थान के अनुसंधान

कार्यक्रम में अनुसंधान एवं विस्तार

गतिविधियों की जांच के लिए आला

अधिकारियों से जानकारी भी ली।

महानिदेशक ने टीएफआरआई के वन

The Hitavada

Jabalpur City Line | 2023-07-15 | Page- 3

Director General Rawat releases...

Range) prepared by the Forest Ecology & Climate Change Division of the institute. A bamboo workshop was also inaugurated by him during his visit at TFRI Jabalpur. The program concluded with a commemorative plantation drive inside the TFRI campus.

Powered by iDocuments



पुस्तक का विमोचन भी किया।

महानिदेशक रावत द्वारा बांस कार्यशाला

का भी उदघाटन किया गया। दौरे के समापन

पर टीएफआरआई परिसर में पौधारोपण भी



भारतीय वानिकी अनुसंधान के महानिदेशक का भ्रमण

स्थानीय भाषा में हो शोध, आम लोगों तक पहुंचे



पत्रिका न्यज नेटवर्क patrika.com

जबलपुर.ऊष्ण कटीबंधीय वन अनुसंधान केन्द्र (टीएफआरआई) के वैज्ञानिक जो शोध कर रहे हैं, वह आमजनों के लिए है। जिन हितग्राहियों के लिए शोध किया जा रहा है, उनमें से कई अंग्रेजी नहीं जानते। ऐसे में उन तक रिसर्च को पहुंचाना चुनौती है। इसलिए यह याद रहे कि शोध केवल किताबों तक ही न रहे। उसे स्थानीय भाषा में हितग्राहियों तक पहंचाया जाए। जिससे अधिक से अधिक लोग लाभांवित हो सकें। यह बात शनिवार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादुनके महानिदेशक एएस रावत ने टीएफआरआई के वैज्ञानिकों से कही।

वृत्तचित्र व पुस्तक का विमोचन-टीएफआरआई के वन पास्थितिकि और जलवायु परिवर्तन प्रभाग द्वारा तैयार वानिकी हस्तक्षेप के माध्यम से फ्लाईएश का प्रबंधन पर बनाई गई



किताबों तक न हो रिसर्च, लोकल भाषा में हितग्राहियों तक पहुंचे

परियोजनाओं पर बात

टीएफआरआई में 50 परियोजनाओं पर शोध किया जा रहा है। महानिदेशक रावत ने शोधकर्ताओं और प्रभारियों से अलग-अलग बातचीत की और परियाजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि प्रोजेक्ट्स को समय सीमा में परा किया जाए. ताकि यह लोगों के काम आ सके।

डॉक्यूमेन्ट्री और कान्हा टाइगर रिजर्व की पृष्प विविधता पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। महानिदेशक रावत ने बांस पर आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ और पौधरोपण किया।

मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के निर्देश

टीएफआरआई द्वारा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ और महाराष्ट्र के वन मंडलों की मुदा का परीक्षण किया जा रहा है। टीएफआरआई द्वारा मप्र के वन मंडलों की भूमि का स्वाइल हेल्थकार्ड जारी कर दिया गया है, लेकिन छत्तीसगढ और महाराष्ट की मदा का स्वाइल्स हेल्थकार्ड जारी नहीं किया गया है, इस पर महानिदेशक रावत ने जल्द से जल्द छत्तीसगढ और फिर महाराष्ट का स्वाइल्स हेल्थकार्ड जारी करने के निर्देश दिए।

पौधे, वृत्त चित्र का किया विमो

जबलपुर। एक ओर वृत्त चित्र का विमोचन हुआ तो वहीं दूसरी ओर पौधारोपण भी किया गया। अवसर था टीएफआरआई में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक आईएफएस एएस रावत के दौरे का। उन्होंने



संस्थान के वन पारिस्थितिकी और जलवाय परिवर्तन प्रभाग द्वारा तैयार 'वानिकी हस्तक्षेप के माध्यम से फ्लाई एश का प्रबंधन' पर वृत्तचित्र फिल्म और कान्हा टाइगर रिजर्व (सरही रेंज) की पुष्प विविधता" पर पुस्तक का विमोचन किया। साथ ही बांस कार्यशाला का शुभारंभ भी किया गया।



Sun, 16 July 2023

दैनिक भारकर https://epaper.bhaskarhindi.com/c/72953501

